From page no. 1 to 3

B.A. (H)
PART - Ist
POLITICAL SCIENCE
PAPER - Ist
CH - 6th
LECTURE No. 10 th
DATE: 20/04/2020

By: OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT. OF POL. SC.
D.B. COLLEGE,
JAYNAGAR
(LNMU, DARBHANGA)

शक्ति की विशेषताएँ
Characteristics of Power

विभिन्न विद्वानों के द्वारा शक्ति की दी गई परिभाषाओं का विश्लेषण करेंगे तो पाएँगे इसकी निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं—

(i) शक्ति के लिए व्यक्ति और समूह के बीच अनवरत संघर्ष चलता रहता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि शक्ति, व्यक्ति और समूह के संघर्ष का बिन्दु है।

(ii) यह समाज की सुव्यवस्था का आधार है।

(iii) इसका स्वरूप प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष दोनों ही हो सकता है।

(iv) व्यक्ति हमेशा इसे प्राप्त करने की इच्छा रखता है।

(v) सोपानीय व्यवस्था में इसका स्थान शीर्ष पर होता है।

(vi) शक्ति में दण्ड देने की भी प्रकृति होती है। यदि कोई शक्ति का अनादर कर रहा है, तो शक्ति उसे दण्ड दे सकती है।

(vii) शक्ति का स्वरूप अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक प्रभावकारी हो सकता है।

Scanned with CamScanner

(viii) शक्ति का सम्बंध व्यक्ति के व्यवहार को नियंत्रित करने से है।

(ix) शक्ति ही वह साधन है जिसके द्वारा व्यक्ति में मानवीयता व औपचारिकता देखी जा सकती है।

(x) यह राजनीति का अंतिम लक्ष्य है। राजनीतिक व्यवहार के पीछे शक्ति, क्षमता, प्रभाव, सत्ता का ही रूप होता है।

(xi) यह प्रत्येक संगठन में निवास करती है।

(xii) परिवार, समाज, राज्य आदि के सुसंचालन में शक्ति महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

(xiii) सम्बंधमूलक होना इसकी महत्वपूर्ण विशेषता है। इसके द्वारा दूसरे के व्यवहार को प्रभावित किया जाता है। कोई भी व्यक्ति या देश शून्य में शक्तिशाली या शक्तिहीन नहीं हो सकता।

(xiv) यह स्थिति परक होती है। इसका प्रयोग विशेष परिस्थिति में ही कोई कर सकता है। इसकी पहचान के लिए उसे विशिष्ट स्थिति अथवा एक विशेष भूमिका से सम्बंधित करना आवश्यक है।

शक्ति के वर्णित विशेषताओं का यदि हम अवलोकन करेंगे तो इसके महत्व स्पष्ट हो जाते हैं। वर्तमान समय में तो और इसका महत्व बढ़ गया है। खासकर अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में विभिन्न राज्यों के बीच सम्बंध संतुलन में इसकी अहम भूमिका है।

Scanned with CamScanner

शक्ति का प्रयोग एवं सीमाएँ

Date: _____ Page: _____

शक्ति का प्रयोग :-

इसका प्रयोग कई प्रकार से विभिन्न माध्यमों द्वारा किया जाता है। जैसे पुरस्कार, दंड, आर्थिक लाभ देना या रोकना, आदि। देश, काल तथा संस्कृति विशेष के अनुसार इसमें परिवर्तन होते रहते हैं। पिटाई, जेल, जुर्माना, पद से हटाना, धमकी देना, प्रलोभन आदि द्वारा भी शक्ति का प्रयोग किया जाता है। अर्थात् उचित एवं अनुचित दोनों प्रकार से शक्ति का प्रयोग किया जाता है।

सामान्यतया शक्ति प्रयोग में सफलता ही मिलती, लेकिन कभी-कभी इसमें असफलता भी हाथ लगती है।

शक्ति की सीमाएँ :-

शक्ति का प्रयोग स्वच्छन्द नहीं होता; इसके ऊपर अनेक प्रतिबंध तथा सीमाएँ होती हैं। इसको सीमित करने वाले कुछ महत्वपूर्ण तत्व इस प्रकार हैं —

(i) इतिहास एवं परंपराएँ।

(ii) राजनीतिक चेतना का विकास।

(iii) सहमति या स्वीकृति प्राप्त करने की आवश्यकता का रूप।

(iv) नैतिकता।

(v) धर्म।

(vi) समूह दबाव।

(vii) बाह्य नियंत्रण।

(viii) विरोधी दल।

— × — × — ×

Scanned with CamScanner